

प्रैमक,

अमृत बघावन,
सचिव,
उत्तराखण्ड हासन।

संख्या: 1696/IV(1)/2008-70(कुम्भ)/2008

सेवा में,

मेलाधिकारी,
हरिद्वार।

शहरी विकास अनुभाग-1

देहरादून दिनांक 01 जनवरी, 2010

विषय: कुम्भ मेला क्षेत्र में कमलस सेंटर में स्वीकृत आई.टी.आई. मुख्य मार्ग से नए आनन्दमयी मार्ग पर एन.टी.डी.सी. कार्य हेतु संशोधित लागत की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति के संबंध में।

महोदय,

उपरोक्त विषयक शासनादेश संख्या- 321/VI(1)/2008-70 (कुम्भ)/2008, दिनांक 10.08.2008 का सम्बन्ध ग्रहण करने का कष्ट करें, जिसके द्वारा अधिशासी अधिकारी हरिद्वार विकास प्राधिकरण, हरिद्वार द्वारा उक्त कार्य हेतु प्रस्तुत आगमन रु. 4.43 लाख के राशिक तकनीकी परीक्षणोपरान्त संशुद्ध रु. 4.43 लाख की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति दी गई है। उक्त धनराशि को व्यय किए जाने की स्वीकृति प्रदान की गयी है। तत्पश्चात् में आपकी पत्र संख्या- 913/कु.मे./ह.दि.प्रा. दिनांक 13.08.2008 एवं संख्या-1811/कु.मे./शक्ति नगर खण्ड, दिनांक 4.09.2008 एवं पत्र संख्या-3395/कु.मे./श.न.ख.-2, दिनांक 0.12.2008, जिसके द्वारा उक्त कार्य की शक्ति नगर विभाग संख्या-3 शिफार्ड विभाग, हरिद्वार को हस्तांतरण की सूचना दी गयी है, की ओर ध्यान आकृष्ट करते हुए मुझे यह बताने का निर्देश हुआ है कि उक्त स्वीकृत कार्य के संशोधित आगमन रु. 23.97 लाख की तकनीकी परीक्षणोपरान्त संशुद्धित लागत रु. 20.44 लाख की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान करने हेतु अधीन धनराशि रु. 18.01 लाख (रु. सोलह लाख एक हजार पान्च) की धनराशि को भी वित्तीय वर्ष 2008-10 में आवंटित/व्यय किए जाने की स्वीकृति प्राप्त विमानस्थित शर्तों एवं प्रतिशतों के साथ सक्षम स्वीकृति प्रदान करते हैं -

1. उक्तानुसार संशोधित/पुनरीक्षित आगमन की स्वीकृति अपवादस्वरूप विरत की जा रही है एवं प्रमाण किसी अन्य विधायन कार्य की स्वीकृति के सम्बन्ध में दृष्टांत की रूप में प्रयोग नहीं किया जा सकता।
2. उक्त कार्य हेतु कुल धनव्ययन में से पर्यटन निगम द्वारा वाइप लाइन डालने के उपरान्त राशि काट कर शेष राशि हेतु धनराशि कराई गई धनराशि प्रदान जाया सुनिश्चित कर लिया जाए।
3. यदि पूर्व उपरोक्त धनराशि क्षेत्र में रखकर इस पर ध्यान अर्पित हुआ है तो उक्त धनराशि अधिगत धन को राजस्व में डालने के माध्यम से जमा करने के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए उक्त धनराशि को धनराशि के अतिरिक्त उपयोग करने का अधिकार मेलाधिकारी का ही होगा।
4. यदि विविध में प्राप्त एवं-1 विविध (पुनर्गत विविध) आधार पर स्वीकृत लागत में कम धनराशि व्यय होना सम्भावित है। अतः पुनर्गत सम्भावित व्यय के अनुसार ही कम धनराशि आवंटन की जायेगी तथा आवंटित धनराशि के आपेक्ष कोई धनराशि बचत होती है तो इसे सक्षम राजस्व में जमा किया जायेगा।
5. उक्त कार्य की इसी धनराशि से पूर्व किया जायेगा एवं आगमन की पुनरीक्षण किसी हद तक अनुमति न होगा। साथ ही यदि अन्य स्वीकृत कार्य के कारण सड़को/मार्ग अतिरिक्त हुआ तो और उसे कार्य की स्वीकृत लागत में इस हेतु धनराशि की व्यवस्था की गयी हो तो तदनुसार उसके आपेक्ष लागत में समायोजन किया जाय।
6. धनराशिगत प्रस्तावित कार्य का निष्कर्ष से परीक्षण किया जाए। इसके लिए निगरानी समिति का गठन कर लिया जाए।
7. कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व शासनादेश संख्या-475/XXVII(7)/2008, दिनांक 15 दिसम्बर, 2008 की व्यवधानुसार विस्तारित प्रारूप पर अनुमति निश्चयन की कार्यवाही सुनिश्चित कर ली जायेगी।
8. स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31.3.2010 तक उपयोग करके कार्य की वित्तीय/भौतिक प्रगति का निवेदन तथा उपयोगिता प्रमाणपत्र हासन को प्रस्तुत कर दिया जायेगा।

9. कार्य की गुणवत्ता एवं समयबद्धता के लिए सम्बन्धित अधिशासी अभियंता/मैलाधिकारी पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
10. उक्त धनराशि का आहरण मैलाधिकारी, हरिद्वार के आहरण वितरण कोष्ठ से किया जाएगा।
11. उक्त कार्य या इसके किसी भाग हेतु यदि विभागीय बजट से कोई धनराशि अथवा अनुदान की गयी है तो उस सीमा तक धनराशि का कोषागार से आहरण न करके शासन को सूचित कर दिया जायेगा।
12. शेष शर्तें एवं प्रतिबन्ध उक्त शासनादेश दिनांक 10.06.2009 के अनुसार लागू रहेंगे।

2- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय शासनादेश संख्या-1814/IV(1)/2009- 39(साप0)2008- टी0सी0 दिनांक 24.11.2009 के द्वारा मैलाधिकारी, हरिद्वार के निवर्तन पर रखी गयी धनराशि रु0 100.00 करोड़ के सापेक्ष आहरित किया जायेगा तथा पुस्तकालय तदस्थान में वर्णित लेखशीर्षक में किया जायेगा।

3- यह आदेश वित्त विभाग के असा.स. 350/XXVII(2)/2009 दिनांक 31 दिसम्बर, 2009 प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

प्रवर्तक,

(अनूप कवावन)
सचिव।

संख्या : 1814 (1)/IV(1)/2009 तददिनांक 01/01/2010

प्रतिनिधि : निम्नलिखित को सूचनाएँ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित -

1. निजी सचिव, मा. मुख्यमंत्री जी, उत्तराखण्ड।
2. निजी सचिव, मा. शहरी विकास मंत्री जी, उत्तराखण्ड।
3. महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी प्रथम), उत्तराखण्ड, देहरादून।
4. महालेखाकार (ऑडिट), उत्तराखण्ड, देहरादून।
5. न्याय अधिकारी, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
6. आयुक्त, मद्रास मण्डल, पीडी।
7. जिलाधिकारी, हरिद्वार।
8. वरिष्ठ कोषाधिकारी, हरिद्वार।
9. वित्त अनुभाग-2 / वित्त नियोजन प्रकोष्ठ, बजट अनुभाग, उत्तराखण्ड शासन।
10. निदेशक, एनआईसी, शोधालय परिसर, देहरादून, को इस अनुसूची के साथ कि नगर विकास को ज. में इसे शामिल करें।
11. अधिशासी अभियंता, शक्ति नगर निगम खण्ड-3, सिन्धु विभाग, हरिद्वार।
12. राजेंद्र शुक्ल।

आज्ञा से,

(रामचन्द्र चन्द)
अनु सचिव।